औषधियों के उपयोग को लेकर प्रशिक्षण आयोजित

जयपुर। स्वास्थ्यसेवा अनुसंधान संगठन आइआइएचएमआर द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के सहयोग से दो सप्ताह का प्रबंधन विकास प्रोग्राम (एमडीपी) आयोजित किया जा रहा है जिसकी विषयवस्तु प्रोमोटिंग रैशलन यूज ऑफ ड्रग्स इन द कम्युनिटी अर्थात समाज में औषधियों के विवेकपूर्ण प्रयोग को बढ़ावा है। इस कार्यक्रम का अयोजन जयपुर स्थिति आइआइएचएमआर परिसर में दिन 16 से 25 नवम्बर तक होगा। इस अवसर पर आइआइएचएमआर युनिवर्सिटी के डीन ट्रेनिंग, प्रोफेसर पी.आर. सोदाणी ने कहा, आइआइएचएमआर युनिवर्सिटी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित जिला स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए डब्लूएचओ के सहयोगी केन्द्र के रूप में प्राधिकृत है। साथ ही, इसे भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण के लिए इंस्टिट्युट ऑफ एक्सिलेन्स के रूप में निर्दिष्ट किया गया है।

'समाज में औषधियों के विवेकपूर्ण उपयोग' के लिए प्रशिक्षण आयोजित

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। वैश्विक मान्यताप्राप्त एवं देश के प्रमुख स्वास्थ्यसेवा अनुसंधान संगठन, आईआईएचएमआर द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के सहयोग से दो सप्ताह का प्रबंधन विकास प्रोग्राम (एमडीपी) आयोजित किया जा रहा है जिसकी विषयवस्तु 'प्रोमोटिंग रैशलन यूज ऑफ ड्रग्स इन द कम्युनिटी' अर्थात 'समाज में औषधियों के विवेकपूर्ण प्रयोग को बढ़ावा' है। इस कार्यक्रम का अयोजन जयपुर स्थिति आइआइएचएमआर युनिवर्सिटी परिसर में दिन 16 से 25 नवम्बर, 2014 तक होगा। इस अवसर पर आइआइएचएमआर युनिवर्सिटी के डीन ट्रेनिंग, प्रोफेसर पी.आर.सोदाणी ने कहा कि आईआईएचएमआर युनिवर्सिटी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित जिला स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए डब्लूएचओ के सहयोगी केन्द्र के रूप में प्राधिकृत है। साथ ही, इसे भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण के लिए इंस्टिट्युट ऑफ एक्सिलेन्स के रूप में निर्दिष्ट किया गया है। मुझे 'प्रोमोटिंग रैशलन यूज ऑफ ड्रग्स इन द कम्युनिटी' विषय पर विदेशी सहभागियों के लिए तैयार किए गए 2 सप्ताहों के इस अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए प्रसन्नता हो रही है। हम विगत 10 वर्षों से यह प्रोग्राम कर रहे हैं और युगांडा, सूडान, तंजानिया तथा भारत के अंतर्राष्ट्रीय सहभागियों का इस आयोजन में मैं स्वागत करता हूँ। इस प्रोग्राम में स्वास्थ्यसेवा व्यवस्था के कार्यों में सुधार के लिए नेतृत्व एवं प्रबंधकीय कुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं चिकित्सा कर्मियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के महत्व पर जोर दिया गया।

व्यक्तियों एवं संगठनों के अनुरोध पर ध्यान देते हुए प्रशिक्षण की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई है कि, जिससे समाज में औषधियों के विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग का ज्यादा प्रभावकारी नियोजन, अनुसंधान तथा क्रियान्वयन हो सके। प्रो. सोदाणी ने आगे यह भी कहा कि आईआईएचएमआर युनिवर्सिटी एक ऐसा संस्थान है जो स्वास्थ्य सेवा एवं संबंधित पाठ्यक्रमों के बेहतर प्रबंधन के जरिए स्वास्थ्य के स्तरों में सुधार के प्रति समर्पित है। यह संस्थान प्रबंधकीय शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में संस्थागत नेटवर्किंग के जरिए इस उद्देश्य को पूरा करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन मानद प्राध्यापक, डॉ. जवाहर एस. चौप्रा करेंगे, जिन्होंने राजस्थान, उत्तरांचल, हिमाचल, झारखण्ड तथा दिल्ली में औषधि नीति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह प्रशिक्षण अध्ययन पद्धतियों एवं समाज में अनुचित औषधि उपयोग का समाधान, औषधि उपयोग संबंधी कठिनाइयों एवं बदलाव के लिए प्रभावकारी रणनीति बनाने के तरीकों के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोणों की जानकारी, औषधियों की सुलभता में सुधार की पद्धतियों, औषधि उपयोग के प्रचलन की छानबीन तथा समस्याओं की पहचान पर ध्यान केन्द्रित करने के अनुरूप तैयार किया गया है।

औषधियों का विवेकपूर्ण उपयोग जरूरी

जयपुर। आईआईएचएमआर की ओर से डब्लूएचओ के सहयोग से दो सप्ताह का प्रबंधन विकास प्रोग्राम (एमडीपी) आयोजित किया जा रहा है जिसकी विषयवस्तु 'प्रोमोटिंग रैशलन यूज ऑफ ड्रग्स इन द कम्युनिटी' अर्थात 'समाज में औषधियों के विवेकपूर्ण प्रयोग को बढ़ावा' है। इस कार्यक्रम का अयोजन आईआईएचएमआर युनिवर्सिटी परिसर में 25 नवम्बर, 2014 तक होगा। डीन ट्रेनिंग, प्रोफेसर पी.आर.सोदाणी के अनुसार युनिवर्सिटी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित जिला स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए डब्लूएचओ के सहयोगी केन्द्र के रूप में प्राधिकृत है।

प्रबंधन विकास पर कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर। आईआईएचएमआर की ओर से विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से दो सप्ताह का प्रबंधन विकास प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है जिसकी विषयवस्तु प्रोमोटिंग रैशलन यूज ऑफ ड्रग्स इन द कम्युनिटी अर्थात 'समाज में औषधियों के विवेकपूर्ण प्रयोग को बढ़ावा है। आईआईएचएमआर के डीन ट्रेनिंग प्रोफेसर पी.आर.सोदाणी ने बताया कि आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित जिला स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए डब्लूएचओ के सहयोगी केन्द्र के रूप में प्राधिकृत है। साथ ही, इसे भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ एक्सिलेन्स के रूप में निर्दिष्ट किया गया है। इस प्रोग्राम में स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था के कार्यों में सुधार के लिए नेतृत्व एवं प्रबंधकीय कुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं चिकित्साकर्मियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के महत्व पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई है जिससे समाज में औषधियों के विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग का ज्यादा प्रभावकारी नियोजन, अनुसंधान तथा क्रियान्वयन हो सके।

आइआइएचएमआर युनिवर्सिटी में प्रशिक्षण आयोजित

जयपुर, 19 नवम्बर, (कासं) वैश्विक मान्यताप्राप्त एवं देश के प्रमुख स्वास्थ्यसेवा अनुसंधान संगठन, आइआइएचएमआर द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के सहयोग से दो सप्ताह का प्रबंधन विकास प्रोग्राम (एमडीपी) आयोजित किया जा रहा है जिसकी विषयवस्तु 'प्रोमोटिंग रैशलन यूज ऑफ ड्रग्स इन द कम्युनिटी' अर्थात 'समाज में औषधियों के विवेकपूर्ण प्रयोग को बढ़ावा' है। इस कार्यक्रम का अयोजन जयपुर स्थिति आइआइएचएमआर युनिवर्सिटी परिसर में दिन 16 से 25 नवम्बर, 2014 तक होगा।

इस अवसर पर आइआइएचएमआर युनिवर्सिटी के डीन ट्रेनिंग, प्रोफेसर पी.आर.सोदाणी ने कहा, ''आइआइएचएमआर युनिवर्सिटी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित जिला स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए डब्लूएचओ के सहयोगी केन्द्र के रूप में प्राधिकृत है। साथ ही, इसे भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ एक्सिलेन्स के रूप में निर्दिष्ट किया गया है। मुझे 'प्रोमोटिंग रैशलन यूज ऑफ ड्रग्स इन द कम्युनिटी' विषय पर विदेशी सहभागियों के लिए तैयार किए गए 2 सप्ताहों के इस अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए प्रसन्नता हो रही है।